डूंगरी भाखरी स्कूल के जर्जर कमरों में जान जोखिम में डालकर पढ़ रहे हैं 250 बच्चे

डूंगरी भाखरी स्थित रा. उ. प्रा. विद्यालय की दीवारें, छत और नींव कभी भी जमींदोज हो सकती हैं

रानीवाड़ा, (निसं)। शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन की घोर लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण जालोर जिले के डूंगरी भाखरी स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में देखने को मिल रहा है। यहां दो जर्जर कक्षा-कक्ष कभी भी बड़े हादसे का सबब बन सकते हैं, जिनमें करीब 250 मासूम बच्चों का भविष्य और जीवन दांव पर लगा है।

प्रधानाध्यापक देवाराम चौधरी ने बताया कि कई बार उच्चाधिकारियों को सूचित करने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं हुई, जिससे बच्चों के अभिभावकों में गहरा रोष व्याप्त है। मामले का खुलासा करते हुए प्रधानाध्यापक देवाराम चौधरी ने बताया कि विद्यालय के पत्रांक 242 दिनांक 05.12.2023 के प्रस्ताव के अनुसार, क्षतिग्रस्त दो कक्षा-कक्षों की मेजर रिपेयरिंग के लिए 6 लाख रुपये की स्वीकृति सत्र 2024-25 में जारी की गई थी। इसके अनुपालन में ठेकेदार द्वारा ग्रीष्मावकाश के दौरान कार्य भी करवाया गया, लेकिन हैरत की बात यह है कि जिन कमरों को सख्त मरम्मत की आवश्यकता थी, उनकी मरम्मत की ही नहीं गई। जब ठेकेदार से इस बारे में जानकारी ली गई, तो उसने अपनी ओर से कार्य पूर्ण होने की बात कहकर पल्ला झाड़ लिया।

जालोर जिले के डूंगरी भाखरी स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के कमरों की छतें और दीवारें जर्जर हो चुकी है, जिससे बच्चों के साथ हादसे का अंदेशा बना हुआ है।

- छह लाख रुपये की स्वीकृति के बाद भी बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़, ठेकेदार पर सवालिया निशान
- कई बार उच्च अधिकारियों को सूचित करने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं हुई, जिससे बच्चों के अभिभावकों में रोष है

चौधरी ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जिन दो कक्षा-कक्षों की मेजर रिपेयरिंग की सख्त आवश्यकता है, उनका काम न होना किसी भी समय बड़ी दुर्घटना को न्यौता देने जैसा है। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि किसी भी समय कमरों की दीवारें, छत तथा नींव जमींदोज हो सकते हैं। यह स्थिति न केवल बच्चों के लिए जानलेवा है, बल्कि शिक्षकों और स्टाफ के लिए भी खतरा बनी हुई है।

विद्यालय प्रशासन ने इस गंभीर विषय पर कई बार उच्चाधिकारियों को पत्र लिखकर सूचित किया है। जिला कलेक्टर जालोर, जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा जालोर, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, रानीवाड़ा और पीईईओ डूंगरी, रानीवाड़ा को भी इसकी प्रतियां भेजी गई हैं। प्रधानाध्यापक देवाराम चौधरी ने राउ प्रा वि डूंगरी भाखरी के डाइस कोड का भी हवाला दिया, लेकिन बावजूद इसके, आज तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। शिक्षा मंत्री, राजस्थान सरकार को भेजे गए पत्र में स्पष्ट निवेदन किया गया है कि 'बच्चों की सुरक्षा विभाग एवं राज्य सरकार पर निर्भर है।' यह पत्र स्पष्ट रूप से बताता है कि स्थानीय स्तर से लेकर राज्य स्तर तक इस मामले की जानकारी है, फिर भी बच्चों की जान जोखिम में डालकर शिक्षा दी जा रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने झालावाड़ हादसे पर दुख जताया

झालावाड़ के मनोहरथाना ब्लॉक के पिपलोदी सरकारी स्कूल की बिल्डिंग का हिस्सा गिरने से सात बच्चों की मौत, 28 बच्चे घायल

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे अस्पताल पहुंची और घायल बच्चों की कुशलक्षेम पूछी।

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा कि बहुत ही दर्दनाक घटना है। हमारे परिवार के सात स्कूली बच्चों को भगवान ने हमसे छीन लिया। इस हादसे में 28 बच्चे घायल हो गए। ज्योंहीं मुझे इस घटना की जानकारी मिली, मुझे बहुत आघात लगा।

राजे ने कहा कि मैं तथा झालावाड़-बारां के सांसद दुष्यंत सिंह तत्काल दिल्ली से यहाँ के लिए रवाना हो गए। शिक्षा विभाग प्रदेश के सभी स्कूलों का सर्वे करवाए, जहां भी स्कूल जर्जर अवस्था में हैं, ऐसे स्कूलों से बच्चों को अन्यत्र सुरक्षित भवन में शिफ्ट करें। ऐसे स्कूलों को गिराकर नये भवन बनवायें, ताकि बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़ न हो सके। यदि शिक्षा विभाग के अधिकारी प्रदेश के ऐसे स्कूलों को पहले ही चिन्हित कर लेता और बच्चों को अन्यत्र किसी सुरक्षित भवन में शिफ्ट कर देता तो हमारे ये बच्चे काल का ग्रास नहीं बनते। ऐसी घटनाओं से बच्चों और अभिभावकों में भय का वातावरण बनता है। मानवीय संवेदनाओं को ध्यान में रखें और इस हृदय विदारक घटना को लेकर कोई राजनीति न करें। आहत परिवारों की मदद करें, राजनीति नहीं। जो भी मांगे हैं उनको सक्षम स्तर पर पहुंचाकर यथा संभव जो भी हो सकता है, निस्तारण करवाने का प्रयास करेंगे। राजे ने का कि मैं ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा को शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना करती हूं।

- हमारे परिवार के सात स्कूली बच्चों को भगवान ने हमसे छीन लिया, इस हादसे में 28 बच्चे घायल हो गए ज्योंहीं मुझे इस घटना की जानकारी मिली, मुझे बहुत आघात लगा ः पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे
- 'यदि शिक्षा विभाग के अधिकारी प्रदेश के ऐसे स्कूलों को पहले ही चिन्हित कर लेते और बच्चों को अन्यत्र किसी सुरक्षित भवन में शिफ्ट कर देते तो हमारे ये बच्चे काल का ग्रास नहीं बनते'

गौरतलब है कि झालावाड़ के मनोहरथाना ब्लॉक के पिपलोदी सरकारी स्कूल की बिल्डिंग का हिस्सा गिरने से सात बच्चों की मौत हो गई। वहीं 28 घायलों में से 9 की हालत गंभीर है। क्लास में शुक्रवार सुबह बच्चे बैठे थे, इमारत ढह गई और 35 बच्चे दब गए थे। ग्रामीणों ने तत्काल मलबा हटाकर बच्चों को निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया।

बदमाशों ने युवक पर फायरिंग की, युवक घायल

- फायरिंग के पीछे दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश का मामला सामने आ रहा है
- हमलावरों की धरपकड़ के लिये पुलिस टीमें लगी

कोटा, (निसं)। दादाबाड़ी थाना इलाके में गुरूवार देर रात्रि को मोटरसाइकिल पर आये बदमाशों ने घर के बाहर खड़े युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। हमले में युवक के दो गोलियां लगी, युवक को घायलावस्था में उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना दादाबाड़ी इलाके के वक्फ नगर की बताई गई। फायरिंग की सूचना पाते ही दादाबाड़ी पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की गंभीरता को देखते हुए सामने आये सीसीटीवी फुटैज के आधार पर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है। फायरिंग के पीछे दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश का मामला सामने आ रहा है। फायरिंग में घायल इरशाद को परिजनो ने उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया हैं। दादाबाड़ी थानाधिकारी मांगेलाल यादव ने बताया कि गुरूवार रात्रि को इरशाद कही से घर पर पहुंचा ही था कि बाइक पर आये बदमाशों ने उस पर फायरिंग कर दी। थानाधिकारी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर अल्फेज व उसके कुछ साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, मामले में सामने आया कि फरियादी इरशाद ने पूर्व में अल्फेज के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया था। इसी पुरानी रंजिश को लेकर अल्फेज ने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर इरशाद पर फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया है। थानाधिकारी ने बताया कि हमलावरों की धरपकड़ के लिये पुलिस टीमें लगी हुई है, जगह-जगह पुलिस टीम आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये दबिश दे रही है। जल्द ही हमलावरों की गिरफ्तारी की जाएगी।

लिवइन रिलेशन में रहने वाले युगल का होटल से अपहरण

- युवक को पेड़ से बांधकर पीटा, बेहोशी की हालत में पावटा ठेलों के पीछे फेंका
- मारपीट में युवक के पैर भी फ्रैक्चर हो गए, अस्पताल में भर्ती कराया

जोधपुर, (कासं)। शहर में मंडोर स्थित मगराज का टाका क्षेत्र में रहने वाले एक युवक व युवती का पाली जिले के मारवाड़ जंक्शन स्थित होटल से अपहरण कर लिया गया। उसके बाद युवक से बुरी तरह मारपीट करने के साथ पेड़ से बांध कर पिटाई की गई। आरोपियों ने युगल को दो कारों में डाला और रास्ते भर युवक को पीटा गया। बाद में शहर के पावटा क्षेत्र में ठेलों की पीछे लाकर पटक दिया। होश आने पर उसे मथुरादास माथुर अस्पताल ले जाया गया। पीड़ित ने पर्चा बयान देकर बनाड़ थाने में रिपोर्ट दी है। जांच मारवाड़ जंक्शन पुलिस की तरफ से की जा रही है। मारपीट में उसके पैर भी फ्रैक्चर हो गए।

बनाड़ पुलिस ने बताया कि मगराज का टांका मंडोर निवासी एक युवक ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि वह एक युवती को 17 जुलाई को अपने साथ लेकर गया था, जिस पर युवती की मां की तरफ से बनाड़ थाने में गुमशुदगी भी दर्ज कराई गई। इनके द्वारा एक इकरारनामा बाबत लिव इन रिलेशनशिप निष्पादित करवाकर नोटेरी पब्लिक करवाया था। बाद में बनाड़ थाने में युगल ने अपने बयान दर्ज करवा दिए थे। युवती ने अपनी मर्जी से जाना बताया था। इसके बाद दोनों लूणी चले गए। कुछ दिन लूणी में रूकने के बाद यह लोग मारवाड़ जंक्शन स्थित होटल में रहने लगे। 21 जुलाई की रात तीन बजे युवती का मामा पप्पू, करीम, साहिल, जाकिर, आकाश, अशोक, यशपाल आदि दो कारें लेकर वहां पहुंचे। होटल से इन दोनों का अपहरण कर लिया। पर्चा बयान में बताया कि आरोपियों ने बीच रास्ते उसके पास रखे साढ़े चार हजार रूपए, मोबाइल छीन लिया और मारपीट करते रहे। बाद में युवती को दूसरी कार में डाल दिया गया। बाद में सुबह दस बजे आरोपी पप्पू के घर झोपड़ी रोड़ लेकर आए और एक कमरें में बंद कर दिया, जहां पर दिलीप, राजू, पप्पू, ओमा, अनिल आदि शख्स ने उसके साथ मारपीट की। फिर कोकुण्डा लेकर पहुंचे, जहां एक खेजड़ी पेड़ से बांधकर उसे पीटा गया। फिर वहां से रात को पावटा सब्जी मंडी में ठेलों के पीछे अधमरा कर भाग गए। वह बेहोश था। होश आने पर राह चलते लोगों से फोन लेकर अपनी मां को फोन किया। तब मां वहां पहुंची और उसे एमडीएम अस्पताल में भर्ती करवाया। बनाड़ पुलिस ने पीड़ित युवक के पर्चा बयान पर रिपोर्ट दर्ज की है। मामले की जांच मारवाड़ जंक्शन पुलिस की तरफ से की जा रही है।

करंट से कांवड़ियों की मौत का मामला, मुआवजे को लेकर भूख हड़ताल जारी

- मृतकों के परिजनों को 50-50 लाख रुपये मुआवजा, एक-एक सदस्य को सरकारी नौकरी और झुलसे अन्य लोगों को उचित आर्थिक सहायता की मांग

अलवर, (निसं)। अलवर के लक्ष्मणगढ़ उपखंड क्षेत्र के बिचगांवा गांव में दो कांवड़ियों की करंट लगने से हुई दर्दनाक मौत के मामले ने परिजन अभी भी भूख हड़ताल पर बैठे हैं। हादसे के बाद प्रशासन की ओर से मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की गई थी, लेकिन मृतकों के परिवारजन और ग्रामीण इससे असंतुष्ट हैं। इसी के चलते दूसरे दिन भी गांव के लोग बिचगांवा बस स्टैंड पर भूख हड़ताल पर बैठे रहे।

भूख हड़ताल पर बैठे लोगों की मांग है कि मृतकों के परिजनों को 50-50 लाख रुपये मुआवजा, एक-एक सदस्य को सरकारी नौकरी और करंट लगने से झुलसे अन्य लोगों को उचित आर्थिक सहायता दी जाए। परिजनों का कहना है कि सरकार द्वारा घोषित राशि नाकाफी है और हादसे की गंभीरता को देखते हुए न्यायोचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। भाजपा नेता श्याम सुंदर मीना भी पीड़ित परिवारों की मांगों का समर्थन करते हुए भूख हड़ताल में शामिल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यह हादसा लापरवाही का परिणाम है और प्रशासन को जवाबदेह बनाते हुए पीड़ितों को पूरी सहायता दी जानी चाहिए। गौरतलब है कि यह हादसा उस समय हुआ था, जब कांवड़ यात्रा पर निकले युवकों की गाड़ी बिजली के हाईटेंशन लाइन को छू गई थी, जिससे करंट फैल गया और दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 32 अन्य लोग झुलस गए थे।

दवा खरीद के लिए जारी 9.50 करोड़ का टेंडर निरस्त

- 19 प्रकार की दवाओं की खरीद के लिए टेंडर में खामियां उजागर हुई

बीकानेर, (निसं)। पीबीएम हॉस्पिटल में कैंसर सहित विभिन्न 19 प्रकार की दवाओं की खरीद के लिए 9.50 करोड़ रुपए के टेंडर में खामियां उजागर होने के बाद पीबीएम अधीक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार ने टेंडर निरस्त कर दिए हैं।

पीबीएम हॉस्पिटल की राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी के तहत पिछले दिनों 19 तरह की दवाएं खरीदने के लिए 9.50 करोड़ के रेट कांट्रेक्ट करने के लिए टेंडर पिछले दिनों किए गए थे। टेंडर में कैंसर की दस महंगी दवाएं भी शामिल थी, जिनमें से पांच नई दवाएं थी, जो कभी यूज ही नहीं ली गई। टेंडर कमेटी ने कैंसर विशेषज्ञों की राय लिए बिना ही इन दवाओं को टेंडर में शामिल कर लिया। पीबीएम हॉस्पिटल में दवाएं खरीदने के लिए 9.50 करोड़ के टेंडर की जांच में बड़ी लापरवाही उजागर हुई है। टेंडर कमेटी में शामिल सदस्यों ने कैंसर विभाग से राय लिए बिना ही कैंसर की दवाओं को शामिल कर लिया, जबकि उन्हें उन दवाओं की उपयोगिता को लेकर कोई अनुभव नहीं था। जानकार सूत्रों का कहना है कि टेंडर में कैंसर की ऐसी दवाओं को शामिल कर लिया गया, जो हाल ही में रिसर्च के बाद बाजार में आई हैं। राजस्थान के अस्पतालों में कैंसर के मरीजों को वह दवाएं अभी नहीं दी जा रही हैं। हैरानी की बात ये है कि उन दवाओं को लेकर किसी तरह की डिमांड ही नहीं थी।

कैंसर विशेषज्ञों से भी उन दवाओं के संबंध में पूछने की जरूरत नहीं समझी गई। इतना ही नहीं ड्रग वेयर हाउस से केवल एक ही मेडिसिन की एनएसी जारी हुई थी। वह भी एक महीने पहले। इसके अलावा शेष 18 तरह की दवाओं की एनएसी लिए बिना ही टेंडर कर दिए गए, जबकि पांच तरह की दवा सरकार से निशुल्क सप्लाई होती है। दरअसल दवाओं की सप्लाई के लिए 50 करोड़ की आरसी के चलते नया टेंडर करने से कमेटी की भूमिका पर सवाल खड़े हो गए हैं। कमेटी में अधीक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार के अलावा सीनियर लेखाधिकारी अभिषेक गोयल, डॉ. मनोज माली और डॉ. सुभाष गौड़ शामिल हैं। बिड डॉक्यूमेंट पर इन सभी के साइन हैं। अब कहा जा रहा है कि डॉक्टरों ने बिड डॉक्यूमेंट ठीक से पढ़ा ही नहीं था, कार्मिकों के भरोसे साइन कर दिए।

नया शिक्षा सत्र शुरू, सरकारी स्कूलों में पाठ्य पुस्तकों का वितरण नहीं

- पहली से छठी क्लास के विद्यार्थी पिछले 24 दिन से बिना किताबों के ही पढ़ाई कर रहे हैं

बीकानेर, (निसं)। राज्य के स्कूलों में नया शिक्षा सत्र शुरू हो गया है। सरकारी स्कूलों में पढ़ने, दाखिला लेने वाले पहली से छठी क्लास के विद्यार्थी पिछले 24 दिन से बिना किताबों के ही पढ़ाई कर रहे हैं। सरकारी स्कूलों में अभी तक पहली से छठीं कक्षा की पाठ्य पुस्तकों का वितरण नहीं हुआ है। इस कारण शिक्षक विद्यार्थियों को ऑनलाइन कंटेंट के द्वारा ही पढ़ा रहे हैं। उधर, अगले महीने 18 अगस्त से फर्स्ट टेस्ट शुरू हो जाएंगे।

जानकारी के अनुसार राज्य सरकार ने इस साल पहले चरण में पहली से पांचवीं कक्षा के सिलेबस में नई शिक्षा नीति के तहत बदलाव किया है। छठी कक्षा की भी कुछ किताबें भी बदली गई है। ऐसे में विद्यार्थियों को पुरानी किताबों से भी नहीं पढ़ाया जा रहा है। हालांकि पाठ्य पुस्तक मंडल की ओर से निशुल्क किताबों का वितरण शुरू कर दिया गया है, लेकिन जिले के अधिकांश स्कूलों में फिलहाल सातवीं से 12वीं की पुस्तक ही पहुंची हैं। पहली से छठीं कक्षा की पुस्तक नहीं पहुंचने के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। हालांकि शिक्षा निदेशक ने प्रवेशोत्सव के साथ ही छात्र-छात्राओं को पुस्तकों का वितरण शुरू करने के निर्देश दिए थे, लेकिन प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों को फिलहाल किताबों का इंतजार है।

पानी की समस्या को लेकर प्रदर्शन

ब्यावर, (निसं)। शहर के वार्ड नंबर दो स्थित मोहन नगर, दया नगर की महिलाओं ने कनिष्ठ अभियंता जलदाय विभाग कार्यालय पर प्रदर्शन कर गहरा रोष व्यक्त किया। महिलाओं ने बताया कि बीसलपुर बांध में पर्याप्त पानी होने तथा गत वर्ष और इस वर्ष अच्छी वर्षा होने के बावजूद मोहन नगर, दया नगर के वासींदों को पानी की सप्लाई पूरी नहीं दी जा रही है, जिससे आए दिन लोगों को टैंकर से पानी मंगवाकर पानी पीने को मजबूर और होना पड़ रहा है।

महिलाओं ने बताया कि टैंकर का पानी भारी तथा फ्लोराइड युक्त आता है जिससे स्वास्थ्य एवं आर्थिक हानि दोनों वहन करनी पड़ रही है। जलदाय विभाग में कई बार शिकायत करने पर जांच के नाम पर जिस दिन कर्मचारी जांच करने आते हैं वाल पूरा खोल दिया जाता है और फिर लगातार वाल कम खोलने की वजह से वही स्थिति बनी रहती है, जिससे क्षेत्र वासियों में भारी रोष व्याप्त है। शुक्रवार को क्षेत्र की महिलाओं का आक्रोश फूट पड़ा और कार्यालय में कर्मचारियों को खरी-खोटी सुनाई। उल्लेखनीय है कि मोहन नगर के निवासी पिछले दो वर्ष से पानी की समस्या से जूझ रहे हैं और अधिकारियों को बार-बार शिकायत करने के बाद भी कोई समाधान नहीं किया जा रहा है।

खेजड़ी की रक्षा कर रहे लोगों पर फायरिंग का विरोध

बीकानेर, (निसं)। भानीपुरा में खेजड़ी की रक्षा कर रहे लोगों पर देर रात फायरिंग के विरोध में ग्रामीणों ने पूगल थाने पर प्रदर्शन कर एसएचओ को परिवाद दिया है, लेकिन देर रात तक इस संबंध में कोई मुकदमा दर्ज नहीं हो पाया। उधर पटवारी ने पेड़ों की कटाई को लेकर फर्द रिपोर्ट तहसीलदार को सौंप दी है।

जानकारी के अनुसार भानीपुरा के ग्रामीण शाम को पूगल थाने पहुंचे। गेट पर प्रदर्शन कर फायरिंग करने वाले बदमाशों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने तथा खेजड़ी की कटाई बंद करने की मांग की। एसएचओ पवन सिंह को परिवाद देकर ग्रामीणों ने जान माल की रक्षा करने की गुहार लगाई है। परिवाद के अनुसार 22 जुलाई की रात एक और दो बजे के बीच अल्फ सोलर प्लांट में अवैध रूप से खेजड़ी कटाई की सूचना मिली थी। ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो वन माफिया ने उनके पीछे गाड़ियां दौड़ाई। जान से मारने की नीयत से ग्रामीणों की दो गाड़ियों को क्षतिग्रस्त कर दिया तथा पिस्तौल से फायर किए। परिवाद में कहा है कि कंपनी ने अवैध रूप से खेजड़ी की कटाई करने के लिए आपराधिक प्रवृति के लोगों को बुला रखा है, जिससे गांव में दहशत का माहौल है। बदमाश लोग नशे की हालत में खेजड़ी काटने आते हैं। खेतों में जो भी दिखाई देता है उसे गाड़ी से कुचलने की कोशिश करते हैं। परिवाद देने वालों में सरपंच प्रतिनिधि ईसरराम, दुर्गसिंह, मदन सिंह, श्रवण सिंह, मनोहर सिंह, विशाल सिंह, मूल सिंह, भंवर सिंह, छैलूसिंह सहित काफी संख्या में ग्रामीण शामिल थे। इस घटना को लेकर देर रात तक पूगल थाने में कोई मुकदमा दर्ज नहीं हो पाया था।

भानीपुरा पटवारी मूलदान चारण ने मौके की फर्द रिपोर्ट तैयार कर राजस्व तहसीलदार को सौंपी है। इस रिपोर्ट में लिखा है कि अल्फ सोलर अमरसर प्राइवेट लिमिटेड के प्लांट में अवैध रूप से खेजड़ी के 191 पेड़ काटे गए हैं। यह जमीन अलग-अलग खातेदार जगुकंवर, किशन संह, मोहन सिंह, शिशुपाल सिंह, मूलसिंह, कालूसिंह, नरपतसिंह, मोहन सिंह, रामप्रताप नायक, जगमाल सिंह, पूनम सिंह, महेंद्र सिंह, राजूसिंह, शिवसिंह, कुशालसिंह, शिशपालसिंह, जयपालसिंह, गजूसिंह, रूप कंवर, संतोष कंवर से सोलर कंपनी ने लीज पर ली हुई है। पटवारी ने बताया कि कंपनी के प्रतिनिधि को खेजड़ी नहीं काटने के लिए दूरभाष पर पाबंद किया है।

पुलिस ने फायरिंग कर तस्कर की कार को रोका, 141 किलो डोडा-चूरा बरामद

कोटा, (निसं)। प्रदेश में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने एवं तस्करों की धरपकड़ के लिये केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ 141 किलो डोडा-चूरा जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। टीम को देखकर कार में सवार आरोपी ने सरकारी वाहन को टक्कर मारने का प्रयास किया, टीम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दो राउंड फायरिंग कर कार का टायर क्षतिग्रस्त कर दिया। टीम ने आरोपी का पीछा कर आरोपी को अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा सहित गिरफ्तार कर लिया।

यह कार्रवाई केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के मार्गदर्शन में की गई। उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति अपनी उदयपुर नंबर की क्रेटा कार से प्रतापगढ़ क्षेत्र से मारवाड़ क्षेत्र की ओर भारी मात्रा में अवैध डोडा-चूरा लेकर जा रहा है। सूचना पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन), चित्तौड़गढ़ सेल और चित्तौड़गढ़ डिवीजन प्रथम के अधिकारियों की एक संयुक्त टीम गठित की गई और टीम को रवाना किया गया। गठित टीम ने संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी और वाहन की पहचान करने के बाद, संदिग्ध कार को रुकने का इशारा किया गया।

सीबीएन टीम ने कार से अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा जब्त किया।

- टीम ने आरोपी का पीछा कर आरोपी को डोडा-चूरा सहित गिरफ्तार कर लिया
- टीम को देखकर कार में सवार आरोपी ने सरकारी वाहन को टक्कर मारने का प्रयास किया था

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि कार चालक ने रुकने के बजाय सरकारी वाहन को टक्कर मारने का प्रयास करते हुए वाहन की गति तेज कर दी। टीम ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए निवारक दल द्वारा टार राईफल से दो राउंड फायर किए गए, जिससे कार का एक टायर क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद सीबीएन अधिकारियों ने कार का लगभग एक किलोमीटर तक पीछा किया और मंडलाचारण-बाड़ी रोड़, माइंस रोड चौराहा के पास, निम्बाहेड़ा, चित्तौड़गढ़ पर उसे रोक लिया। चालक ने मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन निवारक दल ने उसे पास के खेत में पकड़ लिया और उसके वाहन की तलाशी ली। टीम ने तलाशी के दौरान कार से 141.290 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद किया और एनडीपीएस एक्ट में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

अवैध बजरी खनन में लिप्त वाहन जब्त

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र की कोठारी नदी में अवैध बजरी खनन पर जिला स्पेशल टीम की बड़ी कार्रवाई की। आधा दर्जन ट्रैक्टर-ट्रॉली व दो जेसीबी जब्त की। इससे खनन माफिया में हड़कंप मच गया।। जिले में अवैध बजरी खनन पर शिकंजा कसते हुए जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देश पर जिला स्पेशल टीम ने मांडल थाना क्षेत्र के अंतर्गत बहने वाली कोठारी नदी में शुक्रवार सुबह बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई के दौरान अवैध बजरी खनन में लिप्त आधा दर्जन से अधिक ट्रैक्टर-ट्रॉली और दो जेसीबी मशीनों को मौके से जब्त किया गया, जबकि कई खनन माफिया और उनके वाहन मौका पाकर फरार हो गए।